झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

झारखंड मातृ–शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण माह का शुभारंभ
विटामिन ए की खुराक से शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी : मुख्यमंत्री

रांची : स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक जून को झारखंड मातृ–शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण माह का शुभारंभ रांची के प्रोजेक्ट भवन स्थित सभागार में किया गया। इसका शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि गरीबी के कारण संथाल परगना में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर अधिक है। झारखंड में हमें कुपोषण को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि बच्चों को विटामिन ए पिलाकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाना, अनीमिया को खत्म करना, मानव संसाधन की कमी को पूरा करना एवं सभी बच्चों को पर्याप्त पोषण देकर उन्हें स्वस्थ बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस काम में आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका तथा सहिया की भूमिका अहम होगी। सरकार का यह प्रयास होगा कि आने वाले दो वर्ष के अंदर झारखंड को स्वस्थ झारखंड बनाया जाएगा। इसके लिए हम जल्द ही पोषण सहिया की नियुक्ति करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी सुधार होगा और आम आदमी तक हम स्वास्थ्य की सुविधाओं को पहुंचा पाएंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खाद्य कारोबार का लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन का भी ऑनलाइन उद्घाटन किया। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 लाख रुपये से कम वार्षिक टर्न ओवर वाले व्यापारियों को रजिस्ट्रेशन एवं इससे अधिक टर्न ओवर वाले व्यापारियों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने अपील की कि खाद्य सामग्री का कारोबार करने वाले व्यापारी लोगों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हुए व्यापार करें।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 5 बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही विटामिन ए का पोस्टर एवं पुस्तिका का विमोचन भी किया। प्रचार–प्रसार के लिए विटामिन ए का ऑडियो जिंगल जारी करते हुए गांव–गांव तक इसे पहुंचाने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि विटामिन ए के पिलाये जाने से बच्चों में होने वाली 24 प्रतिशत मृत्यु रोकी जा सकती है। उन्होंने कहा कि झारखंड मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण माह अभियान के दौरान सभी नौ माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलायी जाएगी। एक से पांच वर्ष तक के बच्चों को कृमिनाशक दवा दी जाएगी। साथ ही छुटे हुए बच्चों का टीकाकरण भी कराया जाएगा। एक माह तक चलने वाले इस अभियान के दौरान छह माह से पांच वर्ष के अति गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर एम0टी0सी0 रेफर किया जाएगा। घरों में जाकर नमक में आयोडिन की मात्रा की भी जांच की जाएगी।

विषय प्रवेश करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक आशीष सिंहमार ने मातृत्व शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण माह के दौरान संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से अपील की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव के0 विद्यासागर, समाज कल्याण एवं बाल विकास विभाग की प्रधान सचिव मृदुला सिन्हा, निदेशक प्रमुख (स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ0 सुमंत मिश्रा, निदेशक प्रमुख (खाद्य) डॉ प्रवीण चंद्र सहित विभाग के सभी निदेशक, उपनिदेशक व परामर्शी उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग